International Research Journal of Education and Technology

Peer Reviewed Journal

ISSN 2581-7795

VIKSIT BHARAT 2047: EK SANKALP YATRA

Dr. Geeta Dubey
Assistant Professor (Hindi)
Maharaja Agrasen Himalayan Garhwal University, Uttarakhand

भारत ने अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। यह लक्ष्य आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, पर्यावरणीय स्थिरता और सुशासन सहित विकास के विभिन्न पहलुओं को अपने में समाहित किए हुए है।

रक्षा विशेषज्ञ कमर आगा ने 'स्पुतनिक इंडिया' से बात करते हुए, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह से सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि अगर भारत 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनना चाहता है तो मजबूत और आधुनिक सशस्त्र बल भारत के लिए महत्त्वपूर्ण है। रक्षा विशेषज्ञ आगे कहते हैं कि भारत मजबूत और आधुनिक सशस्त्र बलों के साथ एक विकसित राष्ट्र हो सकता है, लेकिन यह मजबूत अर्थव्यवस्था, निर्बाध कच्चे तेल की आपूर्ति और विश्व शांति जैसे कई अन्य कारकों पर निर्भर करेगा।

यह पूछे जाने पर कि क्या भारत अपने सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण के लिए पर्याप्त प्रयास कर रहा है, उन्होंने कहा कि यह सब देश के पास मौजूद धन और अन्य संसाधनों पर निर्भर करता है।

''हम अच्छा कर रहे हैं और इस समय युद्ध की स्थिति में अपने दुश्मनों से निपटने के लिए तैयार हैं, लेकिन अभी भी बहुत किया जाना बाकी है और मेरा मानना है कि अगर वह सब कुछ किया जाएगा जिसका मैनें कुछ समय पहले उल्लेख किया था, वह नियन्त्रण में रहता है।''

एक अन्य विशेषज्ञ ने साझा किया कि भारत के पास 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए आवश्यक सभी चीजें हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, युवाओं को प्रशिक्षित करने और अपनी अर्थ व्यवस्था और सशस्त्र बलों को बढ़ावा देने की जरूरत है ताकि कोई भी विरोधी, लक्ष्य की ओर उसके मार्ग को बाधित करने की हिम्मत न कर सके।

स्पुतनिक इंडिया से बात करते हुए मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) पी0के0सहगल ने कहा कि ''वर्तमान सरकार के तहत देश 'अजेय' है। ××× इस दिशा में पहले ही कई कदम उठाए जा चुके हैं और तथ्य यह है कि न केवल रूस–भारत का सबसे विश्वसनीय मित्र है बल्कि अमेरिका, बिट्रेन और कई अन्य यूरोपीय देश भी भारत के साथ रक्षा प्रौद्योगिकी साझा करने के लिए खुल रहे हैं। '' एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए भारत को निश्चित रूप से एक मजबूत अर्थ व्यवस्था और शक्तिशाली रक्षा बलों की आवश्यकता होगी। हमारे पास दुनिया के बेहतरीन रक्षा कर्मी है और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति के साथ हम एक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को प्राप्त करने में सक्षम होगें।[1]

–पी0के0सहगल

यह एक अच्छी पहल है। वर्तमान में भारत निम्न मध्यम आय वर्ग से संबंधित एक विकासशील देश है , विकसित देश नहीं। विकास की ओर अग्रसर अवश्य है भारत।

© 2024, IRJEdT Volume: 06 Issue: 10 | Oct-2024

विश्व बैंक के अनुसार– अगर किसी देश में प्रति व्यक्ति 12,000 डालर यानी सालाना 10 लाख से ज्यादा है तो फिर वो देश उच्च आय वाली अर्थ व्यवस्था यानी विकसित अर्थ व्यवस्था (Developed Economy) माना जाता है।

NSO के वर्तमान डाटा (19 अप्रैल 2023) 2014–15 के मुकाबले 1,72,000 रूपये प्रति व्यक्ति आय (दोगुना उछाल) हो गई है।

आकड़ो के मुताबिक अनुमान है कि 2047 तक देश की अर्थव्यवस्था 30 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच जाएगी फिलहाल, यह 3.7 ट्रिलियन डॉलर की जी0डी0पी0 (G.D.P.) के साथ दुनिया की पाँचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आने वाले 6 वर्षो (2030 तक) में ही भारत की नॉमिनल GDP 7.3 ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच जाएगी। इस तरह से 2030 तक भारत के जापान को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था (World's 3rd largest Economy) बनने का अनुमान है।[2] PWC की रिपोर्ट भी इसी अनुमान का समर्थन करती है– भारत 2030 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था बन सकता है।[3] 2060 तक इसकी GDP अमेरिका से अधिक हो सकती है।

सेवा निवृत्त मेजर जनरत पी0के0 सहगल के अनुसार – '' भारत की 65 फीसदी आबादी 35 साल से कम उम्र की है और अपनी उत्पादकता और क्षमता बढ़ाने के लिए उन्हें उनका कौशल बढ़ाना होगा।

देश भर के राज भवनों में आयोजित, कार्यशालाओं में, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, संस्थानों के प्रमुखों और संकाय सदस्यों को भी संबोधित करेंगे जो पहल की शुरूआत का प्रतीक होगा। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने अपने संबोधन में कहा कि ''मोदी का दृष्टिकोण देश के लिए राष्ट्रीय योजनाओं के निर्माण और प्राथमिकताओं तथा लक्ष्यों को तय करने में युवा पीढ़ी को सक्रिय रूप से शामिल करना है।''

यदि हम चीन की उत्पादकता पर नजर डालें तो चीन की उत्पादकता भारत से लगभग दोगुनी है उदाहरणार्थ चीन ने खिलौने, मोबाइल के पश्चात अब वैश्विक स्तर पर कार बाजारों, विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों में एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरने के लिए सरल श्रम–केंद्रित योगदान किया है।

ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स के अनुसार: भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश हो सकता है लेकिन इसकी श्रम शक्ति चीन से पीछे है, इसकी श्रम शक्ति भागीदारी केवल 51 प्रतिशत है जो चीन से 25 प्रतिशत अंक पीछे है।[4]

बर्नस्टीन रिसर्च रिपोर्ट: '' सितम्बर 2023 रिपोर्ट में भारत की अर्थ व्यवस्था चीन से 16.5 साल पीछे बताई गई। इसका प्रमुख कारण वर्तमान में 45 प्रतिशत भारतीय आज भी अत्यधिक अनुत्पादक कृषि क्षेत्र में हैं ''। यह अत्यंत चिंतनीय विषय है कि कृषि प्रधान देश में कृषक मजदूर की वर्तमान स्थिति। हाल ही में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थियों की संख्या में 20% से अधिक की गिरावट आई है, जो अप्रैल जुलाई 2022 में 10.47 करोड़ से घटकर 8.12 करोड़ हो गई है। 34 लाख लाभार्थियों को इस सूची में वापस जोड़ दिया गया है।[5]

इस मुहिम को कामयाब बनाने में भारत की सभी ग्राम पंचायतें, नगर पंचायतें और शहरी स्थानीय निकाय शामिल है। भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विभागो, राज्य सरकारों, केन्द्र सरकार के संगठनो और संस्थानों, उच्च शैक्षिक संस्थानों की सक्रिय भागीदारी के साथ संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण अपनाकर यह अभियान चलाया जा रहा है।

माननीय प्रधानमंत्री महोदय नरेन्द्र मोदी जी ने 15 नवम्बर 2023 को झारखण्ड के 'खूंटी' से 'विकसित भारत संकल्प यात्रा ' की शुरूआत की।

प्रधानमंत्री जी के वक्तत्व के अनुसार – '' आज हर संस्था, हर व्यक्ति को इस संकल्प के साथ आगे बढ़ना चाहिए कि हर प्रयास और कार्य विकसित भारत के लिए होगा। आपके लक्ष्यों, आपके संकल्पो का लक्ष्य एक ही होना चाहिए– ' विकसित भारत'।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि शिक्षक और विश्वविद्यालय भारत को तेज गति से एक विकसित देश बनाने के तरीके खोजने पर विचार करें और एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में सुधार के लिए विशिष्ट क्षेत्रों की पहचान भी करें।

आज डिजिटल इंडिया में 'आइडियाज पोर्टल' का शुभारंभ हो चुका है– अलग–अलग विषयों पर सुझाव प्रस्तुत करने की सुविधा है। सर्वश्रेष्ठ सुझावों के लिए पुरस्कार दिए जाने की भी सुविधा है। प्रथम पुरस्कार 5 लाख द्वितीय 3 लाख व तृतीय की राशि रू0 2लाख रखी गई है।[6]

–11 दिसम्बर 2023 पी0आई0बी0 दिल्ली

शिक्षा मंत्रालय

वर्तमान में एक IEC वैन तैयार की गई है अर्थात् Information, Education & Communication , सूचना शिक्षा एवं संचार। यह वैन क्षेत्रीय भाषाओं में ऑडियो विजुअल, ब्रोशर, पैम्फलेट और अन्य माध्यमों से जानकारी पहुँचा रही है। यात्रा के दौरान 'आयुष्मान भारत' योजना जैसी केन्द्र सरकार की 20 योजनाओं को लोगों को बताया जाएगा। इस यात्रा में स्वास्थ्य शिविर व आधार नामांकन जैसी ऑन–द–स्पॉट सेवाएँ भी प्रदान की जा रही हैं।

My Gov प्लेटफॉर्म को राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र NIC (National Informatics Centre), इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौधोगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा डिजाइन, विकसित और होस्ट किया गया है। इसके अन्तर्गत अनेक Sub Apps है। उदाहरणार्थ–

i). ट्रांसफॉर्मिंग इण्डिया
ii). मेरी सरकार ब्लॉग
iii). मेरी सरकार प्रश्नोत्तरी
iv). स्वच्छ भारत
v). Self 4 Society
vi). प्रतिज्ञा
vii). आत्मनिर्भर भारत
viii). आरोग्य सेतु
ix). साथी
x). डिजिटल इंडिया
xi). मन की बात
xii). मेरी सरकार (शपथ)

इत्यादि।

© 2024, IRJEdT Volume: 06 Issue: 10 | Oct-2024

हमें अपने देश को विकसित बनाने हेतु केवल सरकारी प्रयासों पर ही निर्भर नही रहना होगा बल्कि हम प्रत्येक भारतीय बिना एक क्षण गवाँए, व्यक्तिगत इकाई के रूप में अपने देश को मजबूत व विकसित बनाने हेतु जागरूक, तत्पर रहें। कुछ सुझाव, जिनका पालन अत्यंतावश्यक है निम्नवत है–

i). शिक्षक व शिक्षार्थी (युवा वर्ग) दोनों को जागरूक करना

ii). प्रतिभा पलायन पर शीघ्रातिशीघ्र रोकथाम

iii). विदेशी छात्र–छात्राओं को भारतीय शिक्षा की ओर लगाना

iv). शिक्षा व तकनीक का जीवन में संतुलित सदुपयोग

v). अधिकतम निर्यात् व निम्नतम आयात

vi). शिक्षण, पर्यटन, मनोरंजन के क्षेत्र से राजस्व में बढ़ोतरी करने में सहायक आज का शिक्षक वर्ग। उदाहरणार्ध्थ– खान सर, डॉ विकास दिव्यकीर्ति, डॉ तनु जैन, डॉ0 बबिता मैम, कपिल शर्मा इत्यादि।

vii). स्वेदशी वस्तुओं का अधिकतम प्रयोग।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. स्पुतनिक इंडिया (ग्लोबल समाचार एजेंसी)
2. एस0एंड0पी0 (ग्लोबल रेटिंग एजेंसी)
3. पी0डब्लू0सी0 (दुनिया की सबसे बड़ी प्रोफेशनल सर्विसेज फर्मो में से एक व चार बड़ी लेखा फर्मो में से सबसे बड़ी फर्म)
4. ऑक्सफोर्ड इकोनॉमिक्स, जनवरी माह, वैश्विक वित्त कांफ्रेंस, लंदन
5. बर्नस्टीन रिसर्च रिपोर्ट
6. पी0आई0बी0 11 दिसंबर 2023 दिल्ली, शिक्षा मंत्रालय

© 2024, IRJEdT Volume: 06 Issue: 10 | Oct-2024